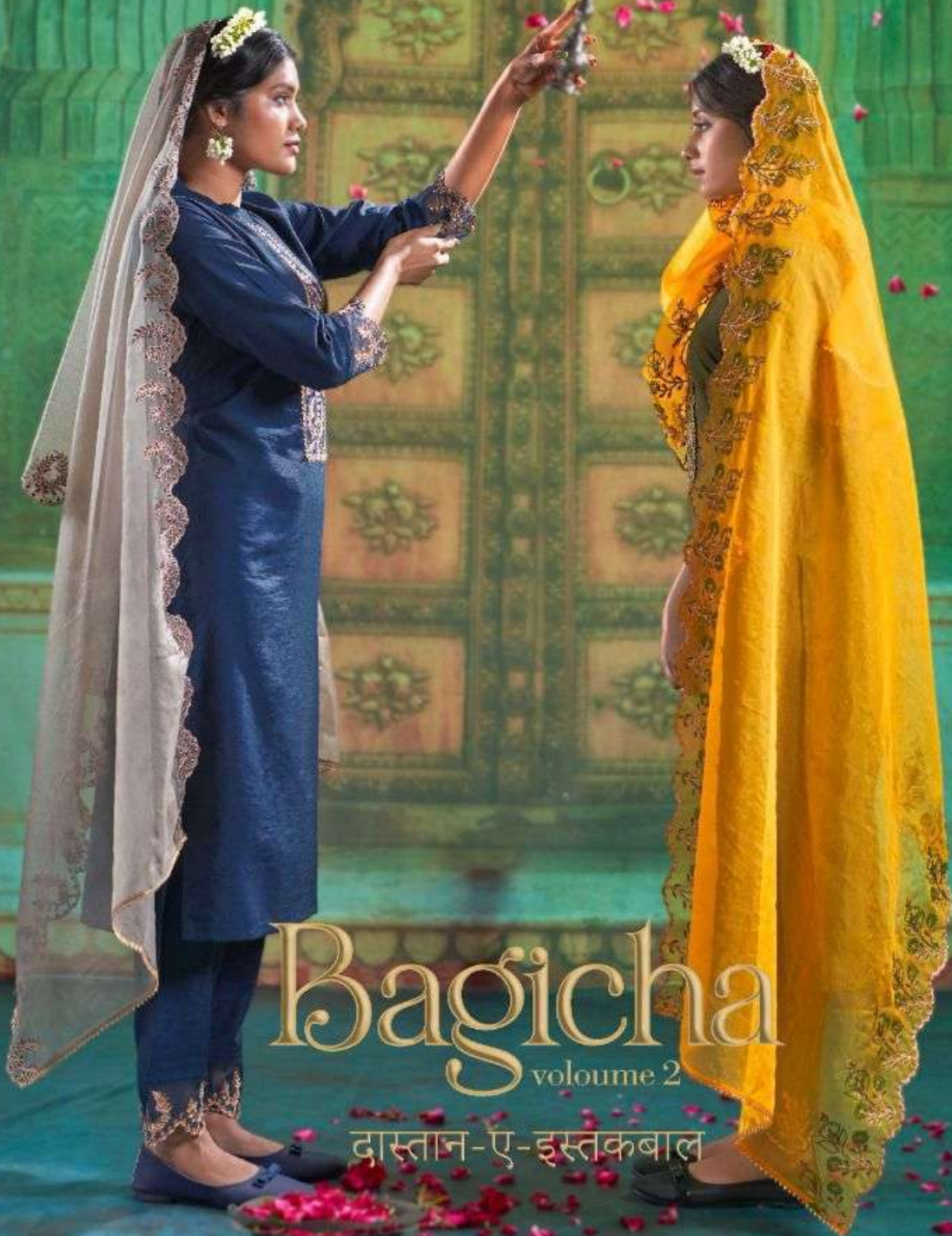




KALKI

fashion

INDIAN ETHNIC WEAR



Bagicha

voloume 2

दास्तान-ए-इस्तकबाल



K 50001

K 50002

K 50003



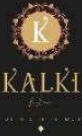
K 50004

K 50005

K 50006

दास्तान-ए-इस्तकबाल

सोई सोई रो अस्मिय है शिकरी हुदी, मलिक बिलाल रंग हुज है जलका लुदी
 केरनाह कबालो नै लुपी मिस्की अह है किलुदी, बहानी दिले का पावत है रो रंग "रिंहुदी"





दास्तान-ए-इस्तक़्वाल

खोई खोई सी अखियां है जिनकी दूरी
माहेरु जिस्म संग हूँ है उसकी नुरी
बेपरवाह खयालों में छुपी जिसकी आँदा है किम्वरी,
रुहानी रिश्ते का गवाह है ये रंग "सिंदूर"



KALKI

BY KALKA



K 50006



दास्तान-ए-बुरकवाल

लोई खोई सी अखियाँ है जिसकी हरी, कदरु जिस संग हुआ है उसका नूरी
बेपरवाह खयालों में छुपी जिसकी अब है कित्तरी, सनाली रिश्ते का गवाह है ये रंग "सिंदुरी"



KALKI

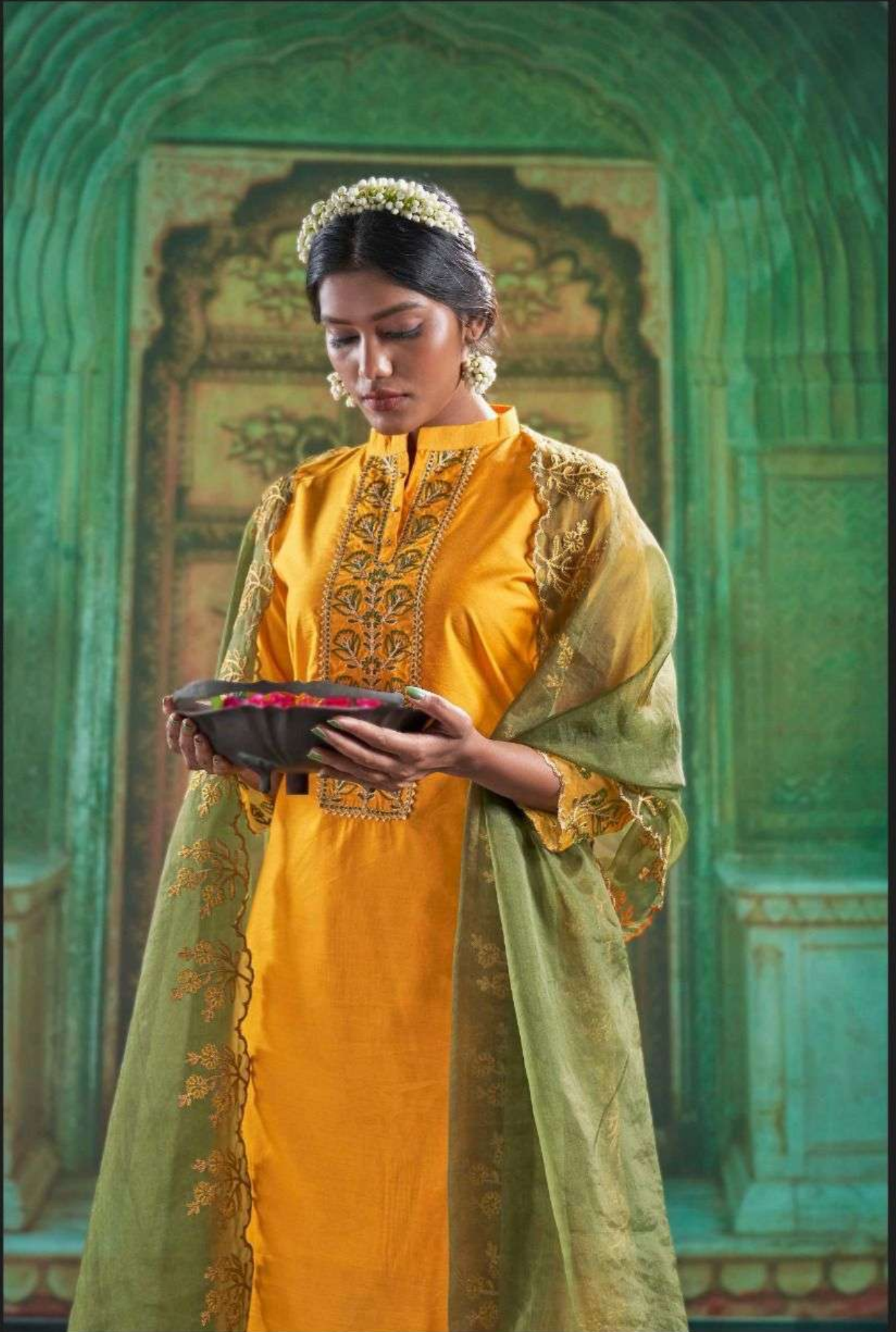
WOMEN'S WEAR



K 50005



K 50004







KALKI

WOMEN'S WEAR



K 50003

दास्तान-ए-इस्तकबाल

ख़सरो रैन सुहाग की, जागी पी के संग
तन मेरो मन वियो को, दोउ भए एक रंग





KALKI

Handcrafted
Traditional Indian Wear



K 50002



दास्तान-ए-इस्तकबाल

खुसरो रैन सुहाग क्री, जगी भी के संग
तन मेरो मन-पियो को, दोठ भए एक रंग



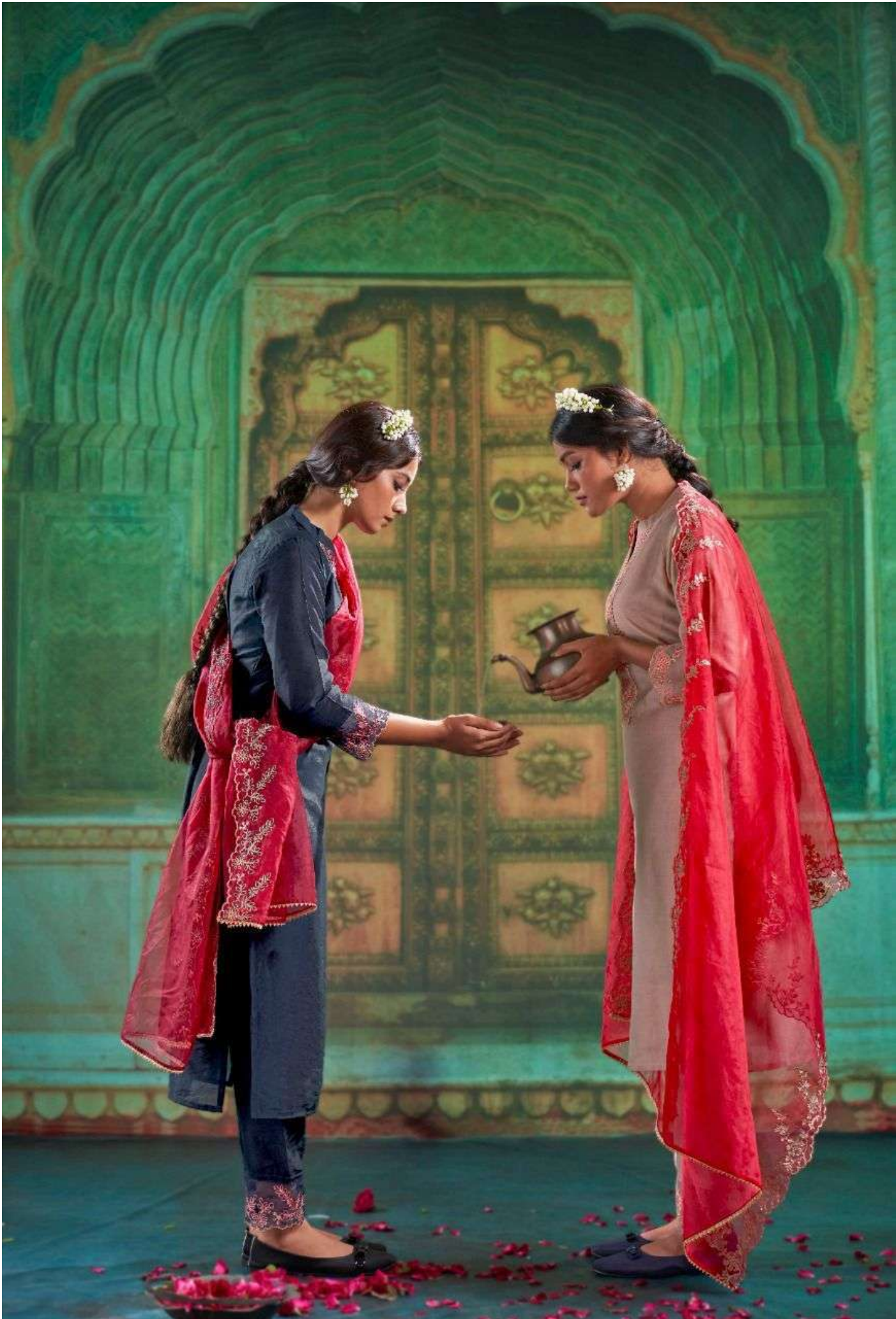


KALKI

WOMEN'S WEAR



K 50001

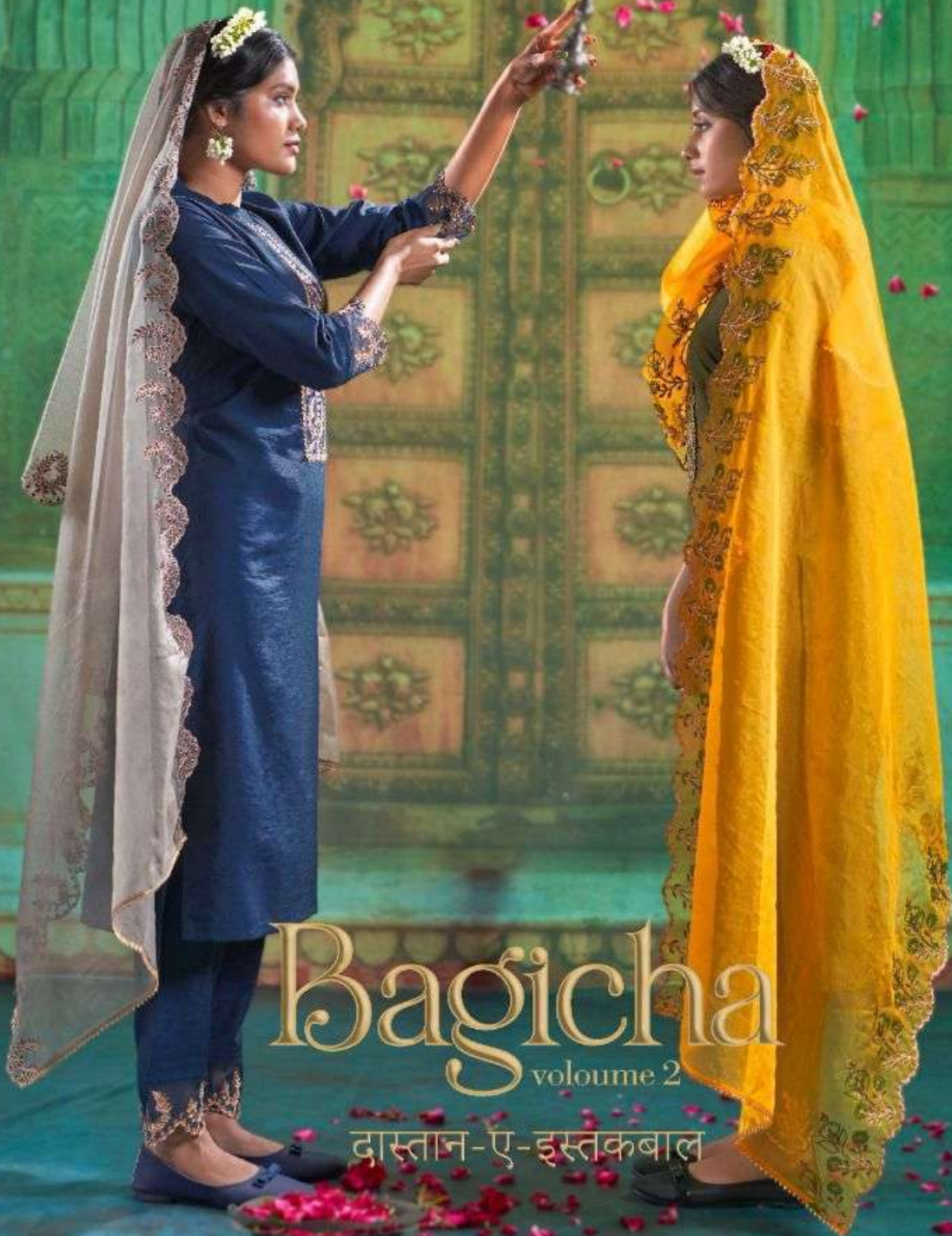




KALKI

fashion

INDIAN ETHNIC WEAR



Bagicha

volume 2

दास्तान-ए-इस्तकबाल